NO Image

हज़रत मौलाना मुफ़्ती निज़ामुद्दीन आज़मी

मुफ़्ती मुहम्मद निज़ामुद्दीन साहब की पैदाइश सिपास मधुबन शहर आज़मगढ़ यू0पी0 में ज़िक़ादह सन 1328 हिजरी बामुताबिक़ नवम्बर सन् 1910 ई0 में हुई और निधन दिनांक 26 फरवरी सन् 2000 ई0 (1420 हिजरी) को रात 9 बजे हुई।

मुफ़्ती साहब का ख़ानदानी सिलसिला प्रसिद्ध विद्वान एवं दार्शनिक मुल्ला जीवन जौनपूर तक पहुंचता है।

शिक्षा:

प्रारंभिक शिक्षा अपने वतन ही में प्राप्त की। फिर हज़रत शाह वसीउल्लाह साहब रह0 के शिष्य बन गये और उनकी निकटता एवं निगरानी में भौतिक और अध्यात्मिक ज्ञान से लाभाविन्त होते रहे। आपके मार्गदर्शन में धार्मिक ज्ञान विषयों एवं कलाओं को पढ़ा और धार्मिक उपदेशों से समानता हासिल की। माध्यमिक शिक्षा के लिए मदरसा अज़ीज़िया बिहार शरीफ़ और मदरसा अलिया फतेहपूरी दिल्ली में प्राप्त की, और सन् 1352 हिजरी में दारुल उलूम देवबन्द से शिक्षा प्राप्त की।

जामिया उलूम जौनपूर आज़मगढ़, फिर गोरखपूर इसके बाद दारुल उलूम मऊ फिर हज़रत हकीमुल इस्लाम हज़रत मौलाना क़ारी तैय्यब साहब रह0 की इच्छा पर दारुल उलूम देवबन्द तशरीफ़ लाये और पैंतीस वर्षों तक काम किया।

रचनाएं:

1– अनवारुल सना ले रुवादिल जना आल मारूफ़ बे फ़तहिर्रहमान ले इस्बाते मज़हबिन्नुमान

2– अक़सामुल हदीस

3– उसूले हदीस

4– आसान इल्मुन्नहव

6– सिराजुल वारिसीन शरह सिराजी

7– मज़ाया इमाम आज़म

नई समस्याओं के हल में उच्च योग्यताः

मुफ़्ती साहब को अल्लाह तआला ने नई समस्याओं के हल करने में बड़ी श्रेष्ठता प्रदान की थी। कोई भी समस्या आती उसका तुरन्त हल प्रदान कर देते। इस लिए आपके मजमुआ फ़तावा की बड़ी महत्ता और उपयोगिता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण से हज़रत क़ाज़ी साहब रह0 बराबर मुफ़्ती साहब रह0 से सुझाव और राय लेते थे और जब इस्लामिक फ़िक़्ह एकेडमी की नींव रखी गयी तो आपने इसकी सरपरस्ती स्वीकार की थी और जीवन पर्यन्त एकेडमी के संरक्षक रहे।

मुन्तख़बात निज़ामुल फ़तावाः

फ़तावे में चूंकि सवाल के लिहाज से अत्याधिक टकराव भी हुआ करती है इस लिए आपकी इच्छा थी की आपके चुने हुए धार्मिक आदेशों को प्रकाशित किया जाये। अर्थात मुफ़्ती साहब रह0 ने मुनतख़ब फ़तावा का एक संकलन हज़रत क़ाज़ी मुजाहिदुल इस्लाम क़ासमी रह0 की इच्छा पर इनको प्रस्तुत कर दिया जिसका नया एडीशन्स अत्याधिक खोज़ बीन और निरीक्षण के पश्चात तीन जिल्दों (खण्डों) में इस्लामिक फ़िक़्ह एकेडमी ने प्रकाशित किया गया।

☆☆☆